नईदुनिया

सागर, 7 नवम्बर 2026

दसवें दीपोत्सव में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन होंगे मुख्य अतिथि, सरयू के 56 घाटों पर जगमगाएंगे दीप

अयोध्या में 30 लाख दीयों से बनेगा नया कीर्तिमान 2100 ड्रोन से आसमान में साकार होगी रामायण

- पांच देशों के कलाकार भी देंगे प्रस्तुति



नईदुनिया ब्यूरो, अयोध्याः भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर भव्य दीपोत्सव के लिए तैयार है। दीपोत्सव के दसवें संस्करण में इस बार 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीपों से सरयू तट को रोशन करने की तैयारी की गई है। इसके साथ ही 2100 स्वदेशी ड्रोन के माध्यम से आकाश में रामायण के प्रसंगों का मनमोहक प्रदर्शन किया जाएगा। सात नवंबर को होने वाले मुख्य आयोजन में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पांच दिवसीय दीपोत्सव का आयोजन पांच से नौ नवंबर तक किया जा रहा है।

सरयू के 56 घाटों पर जगमगाएंगे 30 लाख दीप

दीपोत्सव का मुख्य आकर्षण सरयू नदी के किनारे स्थित राम की पैड़ी और आसपास के 56 घाट होंगे। यहां 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। दीपों को व्यवस्थित ढंग से सजाने और आयोजन को सफल बनाने के लिए लगभग 35 हजार विद्यार्थियों को तैयारियों में लगाया गया है। वर्ष 2017 में दीपोत्सव की शुरुआत लगभग 1.71 लाख दीपों से हुई थी। इसके बाद प्रत्येक वर्ष आयोजन का विस्तार होता गया। वर्ष 2025 में 26 लाख 17 हजार से अधिक दीप जलाए गए थे, जिससे नया विश्व कीर्तिमान बना था। इस बार पिछले वर्ष के आंकड़े को पीछे छोड़ने की तैयारी है।

2100 स्वदेशी ड्रोन दिखाएंगे रामायण के प्रसंग

इस बार दीपोत्सव में आधुनिक तकनीक और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। रात में 2100 स्वदेशी ड्रोन एक साथ आकाश में उड़ान भरेंगे। इनके माध्यम से भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान, रावण वध, पुष्पक विमान और राम दरबार सहित रामायण के प्रमुख प्रसंगों को प्रकाशमय आकृतियों के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। करीब 15 मिनट की इस प्रस्तुति में संगीत, प्रकाश और ध्वनि का समन्वय रहेगा। इसके लिए 15 से अधिक विशेष आकृतियां तैयार की गई हैं। पिछले वर्ष 1100 ड्रोन के माध्यम से प्रस्तुति दी गई थी। इस बार इनकी संख्या लगभग दोगुनी कर दी गई है।

उपराष्ट्रपति करेंगे रामलला के दर्शन

दीपोत्सव के मुख्य समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शामिल होंगे। उनके निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद भगवान श्रीराम के प्रतीकात्मक राज्याभिषेक समारोह में भाग लेंगे। इस अवसर पर संतों का सम्मान भी किया जाएगा। उपराष्ट्रपति का अयोध्या दौरा सात नवंबर को निर्धारित है।

2100 से अधिक श्रद्धालु करेंगे सरयू की महाआरती

दीपोत्सव के अवसर पर सरयू तट पर भव्य महाआरती का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें 2147 प्रतिभागियों के शामिल होने की तैयारी है। जनप्रतिनिधि, पार्षद और आमजन इस सामूहिक आयोजन का हिस्सा बनेंगे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरयू की आरती की जाएगी। इसके अलावा रामकथा पार्क में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

दीपोत्सव से स्थानीय कुम्हारों को भी मिला रोजगार

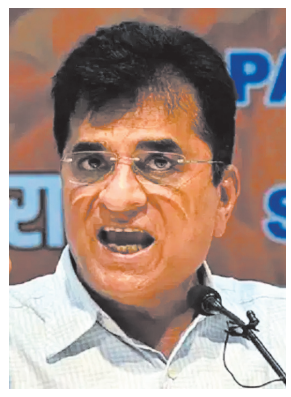
इस आयोजन से स्थानीय कारीगरों और कुम्हारों को रोजगार के अवसर भी मिले हैं। अयोध्या और बाराबंकी की 25 महिलाओं से 1.60 लाख दीपों का 12.8 लाख रुपये का आदेश दिया गया है। इसके अलावा अक्टूबर 2026 तक 197 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे वे अधिक संख्या में दीप तैयार कर सकें।

पांच देशों के कलाकार दिखाएंगे सांस्कृतिक विविधता

दीपोत्सव में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ पांच देशों के कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, नेपाल, लाओस और थाईलैंड के रामलीला दल अपनी पारंपरिक वेशभूषा, संगीत और नाट्य शैली के माध्यम से रामकथा प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा लगभग 2500 कलाकार 12 मंचों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे। कर्नाटक का डोल्लू कुनिथा, राजस्थान का घूमर और बिहार की झिझिया जैसे लोकनृत्य भी आयोजन का हिस्सा होंगे। रामायण के सात कांडों पर आधारित 22 झांकियां भी निकाली जाएंगी। इनमें राम रथ, राम दरबार और पुष्पक विमान प्रमुख आकर्षण होंगे।

मुंबई में हिंदू-मुस्लिम बच्चों के जन्म के आंकड़े लेकर उठाए सवाल

- भाजपा नेता ने 2025 में 70,380 हिंदू और 48,554 मुस्लिम बच्चों के जन्म का दावा किया, मुख्यमंत्री से विशेष समिति बनाने की मांग



नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः महाराष्ट्र में भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मुंबई में हिंदू और मुस्लिम बच्चों के जन्म से जुड़े आंकड़े साझा करते हुए शहर की बदलती जनसंख्या संरचना पर चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस विषय का अध्ययन करने के लिए विशेष समिति गठित करने की मांग की है। सोमैया ने अपने वक्तव्य में मुंबई को 'मुस्लिम मुंबई' बनाने की साजिश का आरोप भी लगाया है। सोमैया ने 6 नवंबर को सामाजिक माध्यम पर एक संदेश साझा कर वर्ष 2025 में मुंबई में जन्मे बच्चों के आंकड़े प्रस्तुत किए। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में शहर में 70,380 हिंदू बच्चों और 48,554 मुस्लिम बच्चों का जन्म हुआ। उन्होंने इन आंकड़ों के आधार पर हिंदू और मुस्लिम बच्चों के जन्म का अनुपात तीन और दो बताया।

भाजपा नेता ने पिछले पांच वर्षों के आंकड़े भी साझा किए। उनके दावे के मुताबिक, इस अवधि में मुंबई में 3,36,625 हिंदू बच्चों और 2,20,754 मुस्लिम बच्चों का जन्म हुआ। सोमैया ने कहा कि इन आंकड़ों के आधार पर शहर की जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों का अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुंबई में विशेष जनसंख्या अध्ययन समिति गठित करने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि समिति को धार्मिक आधार पर जन्म से जुड़े आंकड़ों की जांच करनी चाहिए और शहर की जनसंख्या में हो रहे बदलावों का विस्तृत अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने जन्म से संबंधित आधिकारिक आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग भी की है।

सोमैया ने अपने संदेश में दावा किया कि मुंबई की जनसंख्या संरचना में बदलाव हो रहा है। उन्होंने इसे शहर की पहचान और जनसंख्या संतुलन से जोड़ते हुए चिंता जताई। महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, सोमैया की ओर से साझा किए गए धार्मिक आधार पर जन्म के आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। ऐसे में इन दावों और आधिकारिक अभिलेखों के बीच अंतर की जांच होना जरूरी है। मुख्यमंत्री की ओर से समिति गठित करने की मांग पर किसी निर्णय की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने कमांडर-इन-चीफ बशीर जेब को पद से हटाया

- शीर्ष नेतृत्व की बैठक में लिया गया फैसला, नए कमांडर की नियुक्ति तक वरिष्ठ कमान परिषद संभालेगी संगठन की जिम्मेदारी



क्वेटा, एजेंसीः पाकिस्तान में सक्रिय बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने अपने कमांडर-इन-चीफ बशीर जेब को पद से हटा दिया है। संगठन ने 3 नवंबर को जारी वक्तव्य में इसकी जानकारी दी। हालांकि, यह फैसला 16 अक्टूबर को हुई संगठन की शीर्ष समितियों की बैठक में लिया गया था। इसकी जानकारी अब सामने आई है। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बैठक में शामिल कमांडरों ने सर्वसम्मति से नेतृत्व में बदलाव को मंजूरी दी थी। संगठन ने बताया कि बशीर जेब के पास मौजूद प्रशासनिक, सैन्य और नीतिगत फैसले लेने के सभी अधिकार अब वरिष्ठ कमान परिषद को सौंप दिए गए हैं। नए कमांडर की नियुक्ति होने तक संगठन के बड़े फैसले यही परिषद लेगी। बीएलए ने इस बदलाव को अपने नियमों के तहत शांतिपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन बताया है। संगठन का दावा है कि इस फैसले के बाद न तो उसमें कोई विभाजन हुआ और न ही कमांडरों के बीच टकराव की स्थिति बनी।

मीडिया खबरों में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नाकाम अभियानों और महिला आत्मघाती हमलावरों के इस्तेमाल को लेकर संगठन में बशीर जेब के प्रति नाराजगी बढ़ रही थी। हालांकि, बीएलए ने उन्हें पद से हटाने की कोई खास वजह नहीं बताई है। संगठन ने कहा है कि यह निर्णय वर्ष 2018 में बनाए गए संवैधानिक नियमों के अनुसार लिया गया। इन नियमों के मुताबिक, कोई भी कमांडर जीवनभर संगठन के शीर्ष पद पर नहीं रह सकता। बशीर जेब ने पाकिस्तान में कई बड़े हमलों की साजिश रचकर पहचान बनाई थी। बलूचिस्तान में हथियारबंद लड़ाकों के साथ उनके वीडियो सामने आने के बाद उनकी तुलना फिल्म 'धुरंधर' के किरदार हमजा अली मजारी से भी की जाने लगी थी।

बशीर जेब फिलहाल कहां हैं, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी पुष्टि नहीं हुई है कि वे स्वतंत्र हैं, हिरासत में हैं या किसी अन्य स्थान पर चले गए हैं। उनके घायल होने अथवा कहीं उपचार कराने संबंधी खबरों की भी पुष्टि नहीं हुई है।

फिल्म 'मातृभूमि' सिर्फ 11 रुपये में देख सकेंगे बुजुर्ग दर्शक

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः अभिनेता सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर विशेष घोषणा की है। अब बुजुर्ग दर्शक इस फिल्म को केवल 11 रुपये में देख सकेंगे। सलमान ने फिल्म की झलक जारी करने के कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। उनका यह कदम वरिष्ठ नागरिकों को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म की झलक जारी होने के अवसर पर सलमान ने बुजुर्गों के लिए विशेष टिकट दर रखने की जानकारी दी। इसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को फिल्म देखने के लिए केवल 11 रुपये खर्च करने होंगे। सलमान खान की इस घोषणा को फिल्म की चर्चा के बीच एक खास पहल के रूप में देखा जा रहा है। आमतौर पर फिल्मों के टिकट की कीमत इससे कहीं अधिक होती है।

ट्रंप की पार्टी में बढ़ी खींचतान रूबियो के पद छोड़ने की चर्चा

- उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी चुनावी हार के कारणों पर अलग राय रखते नजर आए

वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद सामने आने लगे हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो के प्रशासन छोड़ने पर विचार करने की खबरें हैं। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी चुनावी हार के कारणों को लेकर ट्रंप से अलग रुख अपनाते दिखाई दे रहे हैं। इससे पार्टी में नेतृत्व और भविष्य की राजनीतिक दिशा को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक, रूबियो और उनके सलाहकार प्रशासन में अपनी आगे की भूमिका को लेकर विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस के अधिकारियों से पद छोड़ने की संभावना पर बातचीत भी की है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

व्हाइट हाउस और विदेश मंत्रालय ने उनके इस्तीफे की खबरों को खारिज किया है। रूबियो ने भी इन खबरों से इनकार किया है। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का कार्यकाल पूरा होने तक उनके साथ काम करना उनकी योजना रही है। उन्होंने वर्ष 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर चर्चा करने से भी इनकार किया।

प्रतिनिधि सभा की कुल 435 सीटों के लिए चुनाव हुए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, डेमोक्रेटिक पार्टी ने 253 और रिपब्लिकन पार्टी ने 157 सीटें जीती हैं। 25 सीटों के परिणाम आने बाकी बताए गए हैं। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुआ। अब तक घोषित परिणामों में डेमोक्रेटिक पार्टी को 20 और रिपब्लिकन पार्टी को 13 सीटें मिली हैं। दो सीटों के परिणाम लंबित हैं। राज्यपालों के चुनाव में भी डेमोक्रेटिक पार्टी को बढ़त मिली है। 36 राज्यों में हुए चुनावों में 34 के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी के 22 और रिपब्लिकन पार्टी के 12 उम्मीदवार विजयी हुए हैं। दो राज्यों के परिणाम बाकी हैं।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चुनाव में हार के लिए ईरान युद्ध और उससे जुड़ी आर्थिक परेशानियों को जिम्मेदार ठहराया है। उनके इस बयान को ट्रंप की नीतियों से दूरी बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में तीन कथित शूटर मारे गए, 20 मिनट तक हुई गोलीबारी



- अपराधियों ने पुलिस पर 24 गोलियां चलाईं, जवाबी कार्रवाई में 18 राउंड फायरिंग; मनेर थाना प्रभारी भी घायल

नईदुनिया ब्यूरो, पटनाः बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार तड़के पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन लोग मारे गए। घटना शेरपुर गंगा घाट के पास सुबह करीब 4:30 बजे हुई। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा के अनुसार, दोनों ओर से करीब 20 मिनट तक गोलीबारी हुई। इस दौरान अपराधियों ने पुलिस पर 24 गोलियां चलाईं, जबकि जवाब में पुलिस ने 18 गोलियां दागीं। मुठभेड़ में राजा शर्मा, बबलू कुमार यादव और जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, तीनों पेशेवर निशानेबाज थे और कथित तौर पर सुपारी लेकर हत्या की घटनाओं को अंजाम देते थे।

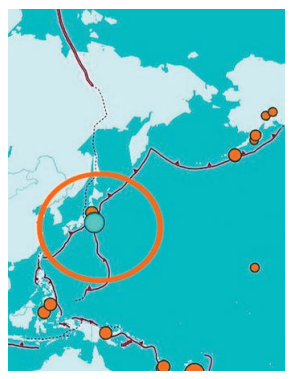
गोलीबारी में मनेर थाना प्रभारी रजनीश कुमार भी घायल हो गए। उनके हाथ में गोली लगी है। घटनास्थल से एक देशी पिस्तौल और दो देशी कट्टे बरामद किए गए हैं।

तीनों मृतकों के परिजनों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अस्पताल में करीब पांच घंटे तक हंगामा किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई और पथराव किया गया। लोगों ने वाहनों के शीशे भी तोड़ दिए। काफी मशक्कत के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका। पुलिस ने तीनों के शव पोस्टमार्टम के लिए पटना स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भेज दिए हैं। घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति बनी रही।

इस मामले पर राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि एक जाति विशेष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

वहीं, पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ के दौरान अपराधियों की ओर से की गई गोलीबारी के जवाब में कार्रवाई की गई।

जापान के हासाकी के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप, धरती में 10 किमी गहराई पर था केंद्र



टोक्यो, एजेंसीः जापान के हासाकी क्षेत्र के पास शुक्रवार को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.1 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र हासाकी से 156 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व दिशा में था। इसकी गहराई धरती के भीतर 10 किलोमीटर बताई गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप समुद्री क्षेत्र में आया। इसकी तीव्रता को देखते हुए क्षेत्र में हलचल बढ़ गई। भूकंप का केंद्र अपेक्षाकृत कम गहराई पर होने के कारण झटकों का प्रभाव आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए जाने की आशंका रहती है। जापान भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। यहां प्रशांत महासागर के आसपास की भूगर्भीय हलचलों के कारण समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं। देश में भूकंप से निपटने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

हासाकी से दक्षिण-पूर्व दिशा में आए इस भूकंप की तीव्रता 6.1 दर्ज की गई। इसका केंद्र समुद्र में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में भूकंप से हुए नुकसान या किसी के घायल होने का विवरण नहीं दिया गया है। भूकंप के बाद क्षेत्र में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

इस्तांबुल में कश्मीर पर सम्मेलन भारत विरोधी दुष्प्रचार का आरोप

इस्तांबुल, एजेंसीः तुर्किये के इस्तांबुल में कश्मीर के मुद्दे पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर भारत विरोधी दुष्प्रचार के आरोप सामने आए हैं। सम्मेलन में आतंकी बुरहान वानी की तस्वीर के साथ जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी से जुड़ी पुरानी तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए। इस आयोजन में पाकिस्तान के राजनयिकों, कश्मीर के अलगाववादी विचारों से जुड़े प्रतिनिधियों और विदेशी शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। यह सम्मेलन तुर्किये के युवा संगठन तुर्किये जेनक्लिक वक्फी ने अपने मुख्यालय में आयोजित किया था। इसमें इस्तांबुल स्थित पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत ख्वाजा खुर्रम नईम भी शामिल हुए। कार्यक्रम में कश्मीर से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर तीन सत्र आयोजित किए गए।

पहले सत्र में कश्मीर विवाद का क्षेत्रीय स्थिरता पर प्रभाव, शांति और न्याय की संभावनाओं तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर चर्चा हुई। दूसरे सत्र में हिंदुत्व विचारधारा के क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव पर विचार रखे गए।

विदेश यात्रा *पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को लेकर नए नियम*

छह गैर-मुस्लिम समुदायों को अब लेना होगा वीजा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को अब देश में रहने के लिए वीजा लेना होगा। इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। पहले इन समुदायों के लोगों को पासपोर्ट और वीजा की अनिवार्यता से छूट मिली हुई थी। यह बदलाव उन लोगों पर भी लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे। इनमें बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के आए लोग और जिनके दस्तावेजों की अवधि समाप्त हो चुकी है, वे भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को आव्रजन नियमों में संशोधन की अधिसूचना जारी की। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों और भारतीय मूल के कुछ विदेशियों को पासपोर्ट का नवीनीकरण कराने से राहत देने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच यात्रा के नियम भी स्पष्ट किए गए हैं।

पांच प्रमुख बदलाव

पहला, 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत आए कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को पासपोर्ट का नवीनीकरण कराने से छूट दी गई है। इसके लिए उन्हें लिखित आश्वासन देना होगा कि वे दोबारा पाकिस्तान नहीं लौटेंगे। दूसरा, मलेशिया और सिंगापुर की नागरिकता ले चुके भारतीय मूल के कुछ लोगों को भी पासपोर्ट नवीनीकरण से राहत मिलेगी। यह छूट उन लोगों को दी जाएगी, जो 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले इन देशों के पासपोर्ट पर भारत लौटे थे और संबंधित देशों के नियमों के कारण पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं करा पा रहे हैं। तीसरा, भारत, नेपाल और भूटान के नागरिकों के बीच यात्रा के नियम स्पष्ट किए गए हैं। तीनों देशों के नागरिक सीधे एक-दूसरे के यहां जमीन या हवाई मार्ग से यात्रा करते समय निर्धारित पहचान पत्र दिखा सकेंगे। हालांकि, कुछ विशेष परिस्थितियों में पासपोर्ट और वीजा जरूरी होंगे। चौथा, श्रीलंका से आए पंजीकृत तमिल शरणार्थियों और कुछ तिब्बती नागरिकों को पहले मिली पासपोर्ट और वीजा संबंधी छूट जारी रहेगी। इसमें निर्धारित तारीखों के बीच भारत आए और आवश्यक पंजीकरण कराने वाले लोग शामिल हैं। पांचवां, सेना के जवानों और विदेशी सैन्य जहाजों के कर्मचारियों को भी कुछ स्थितियों में छूट दी गई है।

नागरिकता संशोधन कानून से अलग है नया आदेश



नागरिकता संशोधन कानून, 2019 और नया आव्रजन आदेश, 2026 दोनों छह गैर-मुस्लिम समुदायों से संबंधित हैं। हालांकि, दोनों का उद्देश्य अलग है। नागरिकता संशोधन कानून पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने का अवसर देता है, जबकि नया आव्रजन आदेश पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेजों से जुड़ी छूट तथा नियमों में बदलाव करता है।